

Event Report: Guest Lecture on Artificial Intelligence

Date: 08-02-2025

Time: 1:30 pm to 4:00 pm

Venue: Seminar Hall Complex, DEI

Organized by: ICT Continuing Education Centre, DEI

Attendees: 350 students across university from undergraduate as well as post-graduate programmes

A special lecture-cum-workshop on the topic "AI and Us: Application of Data Science / AI in the Business World" was organized by the ICT Continuing Education Centre of Dayalbagh Educational Institute (D.E.I.). Mr. Ankur Puri from McKinsey, New Delhi, was invited as the guest speaker for this lecture.



Mr. Ankur Puri
McKinsey & Company, New Delhi

Ankur Puri is a partner based in McKinsey's New Delhi office. He leads the QuantumBlack hub, McKinsey's data and analytics centre of excellence. He is also a part of the global leadership of McKinsey's Analytics Academy. Helps large organizations adopt advanced analytics and artificial intelligence in businesses at scale and helps lead McKinsey's QuantumBlack hub in India and Analytics Academy globally. His illustrious educational background includes Harvard Business School and IIT Delhi.

Honourable Director DEI Prof. C. Patwardhan, program coordinator Mrs. Punam Prakash, Guest speaker Mr. Ankur Puri, and Prof. Sumita Srivastava from Department of Management were present as the respected members of the dais. At the end of the program, students asked questions on various aspects of AI, which were answered in detail by the expert.



The program commenced with an inspiring address by the Esteemed Director of the Institute, Prof. C. Patwardhan. He informed the students about the rapid development of Artificial Intelligence (AI) and its future directions. He encouraged the students to take an interest in AI and gain more knowledge in this field. The program coordinator, Mrs. Punam Prakash, urged the students to make the most benefit out of session.



Mr. Ankur Puri has contributed to several important reports based on Artificial Intelligence (AI). He has been associated with the fields of AI, data analytics, and computer science for a long time. Mr. Puri demonstrated how AI fundamentally works on mathematical algorithms, and also discussed how various companies use AI to deliver better results. He further elaborated on how linear regression helps reduce the likelihood of errors made by generative AI. Most importantly, he discussed the opportunities available in generative AI and its current applications where AI is being utilized.



The students asked a range of insightful and practical questions related to generative AI, reflecting their keen interest and curiosity in the subject. They inquired about the real-world applications of AI, its potential impact on various industries, and the ethical implications of its use. The expert provided detailed and thoughtful answers, helping students gain a deeper understanding of generative AI's capabilities, challenges, and future prospects.



This lecture generated a new awareness and enthusiasm for AI among the students. At the end of the event, Prof. Sumita Srivastava formally thanked all the attendees, especially the guest speaker Mr. Puri, the Director, the organizing committee members, faculty members, student volunteers, and all attendee students. After the vote of thanks, a ghazal performance and the university song were presented by the Institute's Music Department.



दयालबाग शिक्षण संस्थान में 'ए.आई. और हम' विषय पर व्याख्यान

सुरेखा यादव एडिटर

आगरा। दयालबाग शिक्षण संस्थान (डी.आई.) के आईसीटी कंटिन्यूइंग एजुकेशन सेंटर द्वारा 'ए.आई. और हम' विषय पर एक विशेष व्याख्यान-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में मैकिंजी, नई दिल्ली के श्री अंकुर पुरी मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के निदेशक प्रो. सी. पटवर्धन के प्रेरणादायक संबोधन से हुई। उन्होंने छात्रों को बताया कि किस तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का विकास हो रहा है और भविष्य में यह किस दिशा में जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों को एआई में रुचि लेने और इसके क्षेत्र में अधिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।



कार्यक्रम की संयोजिका, श्रीमती पूनम प्रकाश ने छात्रों से सत्र का पूर्ण लाभ उठाने का आग्रह किया और यह देखकर प्रसन्नता व्यक्त की कि बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

श्री अंकुर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित कई महत्वपूर्ण रिपोर्टों में योगदान दिया है। वे लंबे समय से एआई, डेटा एनालिटिक्स और कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। उनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि में

प्रसिद्धि हार्वर्ड बिजनेस स्कूल और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) शामिल हैं। श्री अंकुर पुरी ने प्रदर्शित किया कि एआई मूल रूप से गणितीय एल्गोरिदम पर कैसे कार्य करता है, और उन्होंने यह भी चर्चा की कि विभिन्न कंपनियों बेहतर परिणाम प्रदान करने के लिए एआई का उपयोग कैसे करती हैं। उन्होंने यह भी चर्चा की कि किस प्रकार लीनियर रिग्रेशन की मदद से जनरेटिव एआई द्वारा की जाने

वाली त्रुटियों की संभावना कम हो जाती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने जनरेटिव एआई में उपलब्ध अवसरों और इसके वर्तमान अनुप्रयोगों पर चर्चा की, जहां एआई का उपयोग किया जा रहा है।

इस सत्र में संस्थान के विभिन्न विभागों और संकायों के लगभग 350 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थी शामिल थे। सत्र पर माननीय

निदेशक प्रो. सी. पटवर्धन, कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती पूनम प्रकाश, मुख्य अतिथि श्री अंकुर पुरी और प्रो. सुमिता श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने एआई से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञ महोदय ने विस्तृत उत्तर दिया। इस व्याख्यान ने छात्रों में एआई के प्रति नई जागरूकता और उत्साह उत्पन्न किया। कार्यक्रम के अंत में, प्रोफेसर सुमिता श्रीवास्तव ने औपचारिक रूप से सभी उपस्थित सदस्यों, विशेष रूप से मुख्य वक्ता, निदेशक आयोजन समिति के सदस्य, शिक्षकगण, छात्र सहयोगी और अन्य सभी छात्रों को धन्यवाद दिया। धन्यवाद ज्ञापन के बाद संस्थान के संगीत विभाग द्वारा गजाल प्रस्तुति और विप्लवविद्यालय गीत की प्रस्तुति दी गई।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का गहन ज्ञान प्राप्त करें छात्र



दयालबाग शिक्षण संस्थान (डीआई) के आईसीटी कंटिन्यूइंग एजुकेशन सेंटर में आयोजित कार्यशाला में मौजूद छात्र • जागरण

जासं, आगरा: दयालबाग शिक्षण संस्थान (डीआई) के आईसीटी कंटिन्यूइंग एजुकेशन सेंटर द्वारा 'ए.आई. और हम' विषय पर कार्यशाला का आयोजन शनिवार को किया गया। व्याख्यान में नई दिल्ली

मैकिंजी मुख्य प्रवक्ता अंकुर पुरी ने छात्रों को जानकारी दी।

शुरुआत संस्थान के निदेशक प्रो. सी. पटवर्धन ने की। उन्होंने बताया कि किस तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का विकास

हो रहा है। विद्यार्थियों को एआई में रुचि लेने के लिए प्रेरित किया। अंकुर ने एआई के मूल रूप से गणितीय एल्गोरिदम पर कार्य करने जानकारी दी। समझाया कि किस प्रकार लीनियर रिग्रेशन की मदद से

जनरेटिव एआई द्वारा की जाने वाली त्रुटियों की संभावना कम हो जाती है। सत्र में विभिन्न संकाय के 350 छात्रों ने भाग लिया। संयोजिका पूनम प्रकाश, प्रो. सुमिता श्रीवास्तव व अन्य मौजूद रहे।